Toppersnotes®
Unleash the topper in you

हरियाणा

P.G.T.

हरियाणा लोक सेवा आयोग (HPSC)

भाग - 1

उच्च माध्यमिक स्तर

SIERRA INNOVATIONS

उच्च माध्यमिक स्तर		
1.	संधि	1
2.	समास	26
3.	उपसर्ग	43
4.	प्रत्यय	55
5.	पर्यायवाची शब्द	66
6.	विलोम शब्द	73
7.	समश्रुत भिन्नार्थक शब्द (युग्म शब्द)	79
8.	अनेकार्थी शब्द	90
9.	वाक्यांश के लिए एक शब्द	96
10.	शब्द शुद्धिकरण	102
11.	वाक्य शुद्धिकरण	111
12.	मुहावरे	117
13.	लोकोक्ति	127
14.	जनसंचार एवं पत्रकारिता	
	• पत्र	140
	• अर्द्धसरकारी पत्र या अर्द्धशासकीय पत्र	142
	• परिपत्र	143

	• अधिसूचना	143
	• विज्ञप्ति	143
	• निविदा	144
	• ज्ञापन	145
	• कविता	147
	• कहानी	149
	• वार्ता	151
	• डायरी लेखन	151
	• रिपोर्ताज लेखन	153
	• अपठित गंद्याश व पद्यांश	154
15.	शब्द शक्ति	166
16.	अलंकार	174
17.	छंद	187
18.	काव्य गुण	194
19.	काव्य रस	198

प्रत्यय

परिभाषा

जो शब्दांश किसी मूल धातु (संज्ञा, सर्वनाम, विषेषण, क्रिया/धातु) के बाद लगकर षब्द का निर्माण करते हैं उसे प्रत्यय कहते हैं।

भाषा में प्रत्यय का महत्व इसलिए भी है क्योंकि उसके प्रयोग से मूल षब्द के अनेक अर्थों को प्राप्त किया जा सकता है। यौगिक षब्द बनाने में प्रत्यय का महत्वपूर्ण स्थान है।

जैसे–

खिलाड़ी	–	खेल + आड़ी
पढ़ाकू	–	पढ़ + आकू
झूला	–	झूल + आ
मिलावट	–	मेल + आवट
ननिहाल	–	नानी + हाल
खटोला	–	खाट + ओला
सपेरा	–	साँप + एरा
मिठास	–	मिठ + आस

हिन्दी में प्रत्यय तीन प्रकार के होते है।

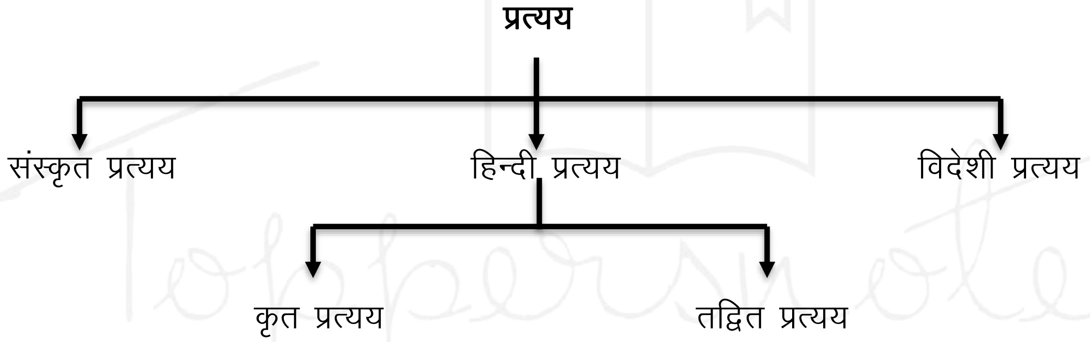

संस्कृत के प्रत्यय

क्र. संख्या	प्रत्यय	उदाहरण
1.	इत	हर्षित, गर्वित, लज्जित, पल्लवित
2.	इक	मानसिक, धार्मिक, मार्मिक, पारिश्रमिक
3.	इय	भारतीय, मानवीय, राष्ट्रीय, स्थानीय
4.	एय	आग्नेय, पाथेय, राधेय, कौंतेय
5.	तम	अधिकतम, महानतम, वरिष्ठतम, श्रेष्ठतम
6.	वान	धनवान, बलवान, गुणवान, दयावान
7.	मान	श्रीमान, शोभायमान, शक्तिमान, बुद्धिमान
8.	त्व	गुरुत्व, लघुत्व, बंधुत्व, नेतृत्व
9.	षाली	गौरवषाली, प्रभावशाली, शक्तिशाली, वैभवशाली
10.	तर	श्रेष्ठतर, उच्चतर, निम्नतर, लघुतर

हिन्दी के प्रत्यय

1. कृत प्रत्यय
2. तद्धित प्रत्यय

कृत प्रत्यय

वे प्रत्यय जो धातु अथवा क्रिया के अन्त में जुड़कर नए शब्दों की रचना करते है उन्हें कृत प्रत्यय कहते है। कृत प्रत्ययों से संज्ञा तथा विशेषण शब्दों की रचना होती है।

संज्ञा की रचना करने वाले कृत प्रत्यय

क्र. संख्या	प्रत्यय	उदाहरण
1.	आ	मेला, खेला, झूला, भूला
2.	ई	हँसी, सुनी, सोची, बोली
3.	न	नंदन, चंदन, बेलन, बंधन
4.	अन	सोहन, रटन, पठन
5.	आहट	घबराहट, बड़बड़ाहट, चिल्लाहट

विशेषण की रचना करने वाले कृत प्रत्यय–

क्र. संख्या	प्रत्यय	उदाहरण
1.	ऊ	चालू, झाड़ू, खाऊ, बाजारू
2.	आऊ	दिखाऊ, टिकाऊ, बिकाऊ
3.	आड़ी	कबाड़ी, खिलाड़ी
4.	एरा	कसेरा, लुटेरा, बसेरा

कृत प्रत्यय के भेद

कृत प्रत्यय पाँच प्रकार का होता है।

- कर्तृवाचक
- कर्मवाचक
- करणवाचक
- भाववाचक
- क्रियावाचक

कर्तृवाचक कृत प्रत्यय

कर्ता का बोध कराने वाले प्रत्यय कृत् वाचक प्रत्यय कहलाते हैं। जैसे– ईश्वर सबका **पालनहार** है।

पालनहार–'पालन' धातु + हार प्रत्यय + कर्ता कारक

हार – पालनहार (पालन + हार), राखनहार, चाखनहार, चाखनहार, मरणहार, होनहार, लेनहार, देनदार।

वाला – लिखने वाला (लिखनें + वाला), पढ़ने वाला, रखवाला, बोलने वाला, हँसने वाला, रोने वाला, दिखने वाला, खेलनें वाला, दौड़ने वाला

क – रक्षक (रक्ष + क), भक्षक, षो**षक, पोषक**

अक – लेखक (लिख् + अक), गायक, पाठक, नायक, साधक, ऊठक, वाचक, बैठक, पावक, कारक (कृ + अक), धारक, जातक, कसक, षायक।

ता – दाता (दा + ता), सुंदरता, वक्ता, श्रोता, ज्ञाता, त्राता

अक्कड़ – घुमक्कड़ (घूम + अक्कड़), भुलक्कड़, पियक्कड़, बुझक्कड़, कुदक्कड़

एरा – लुटेरा (लूट + एरा), बसेरा, कसेरा, घसेरा

कर्मवाचक कृत प्रत्यय

कर्म का बोध कराने वाले कृत प्रत्यय कर्म वाचक कृत प्रत्यय कहलाते है। जैसे–अतुल ने **खिलौना** तोड़ दिया।

खिलौना – 'खेल' धातु + औना प्रत्यय, कर्म कारक
औना – खिलौना (खेल + औना), बिछौना
नी – ओढ़नी, मथनी, छलनी, लेखनी, धौकनी, करनी, कहानी।
ना – पढ़ना, लिखना, गाना, खाना, नहाना, रोना, सोना, दाना, झरना, पालना, पाहुँना।

करण वाचक कृत प्रत्यय

साधन का बोध कराने वाले कृत प्रत्यय करण वाचक कृत प्रत्यय कहलाते ह।

अन – बेलन (बेल + अन) चलन, जलन, ढक्कन, चुभन, बंधन, मंथन, मरण (मृ + अन), लगन, घुटन।
ऊ – झाड़ू (झाड़ + ऊ), बिगाड़ू, चालू, फेंकू, खाऊ।
नी – चटनी, कतरनी, सूँघनी
ई – खाँसी, धाँसी, फाँसी, जननी, चोरी, घुड़की, झपकी, भभकी, बोली, हँसी।

भाव वाचक कृत प्रत्यय

क्रिया के भाव का बोध कराने वाला प्रत्यय भाववाचक कृत प्रत्यय कहलाता है।

आप – मिलाप, विलाप
भावट – सजावट, मिलावट, लिखावट, दिखावट, थकावट, रूकावट, तरावट, फलावट (फल + आवट)
आव – बनाव, खिंचवा, तनाव, लगाव, भराव, बहाव, दबाव, झुकाव, चुनाव, छिड़काव।
आई – लिखाई, खिंचाई, चढ़ाई, पढ़ाई, लड़ाई, पिटाई, कलाई, कटाई, चराई, विदाई, सिंचाई।

क्रियावाचक कृत प्रत्यय

क्रिया शब्दों का बोध कराने वाले कृत प्रत्यय क्रियावाचक कृत प्रत्यय कहलाते है।

जैसे –
या – आया, बोया, खाया, पीया, गया।
कर – गाकर, देखकर, सुनकर, आकर, जाकर, पढ़कर, लिखकर
आ – सूखा, भूला, गुजारा, घाटा, खटका, कठफोड़ा, चढ़ा, जोड़, ठेला, मेला।
ता – खाता, पीता, लिखता, पढ़ता, रोता, सोता।

तद्धित प्रत्यय

क्रिया को छोड़कर संज्ञा, सर्वनाम, विषेषण आदि में जुड़कर नए षब्द बनाने वाले प्रत्यय तद्धित प्रत्यय कहलाते हैं।

जैसे –
मानव + ता = मानवता
जादू + गर = जादूगर
बाल + पन = बालपन
लिख + आई = लिखाई

तद्धित प्रत्यय के भेद

तद्धित प्रत्यय के सात उपभेद होते है। (हिन्दी व्याकरण एवं रचना प्रबोध मा.षि. बोर्ड, राजस्थान, अजमेर)

- कर्तृवाचक प्रत्यय
- भाववाचक प्रत्यय
- संबंध वाचक प्रत्यय

- गुणवाचक प्रत्यय
- स्थानवाचक प्रत्यय
- ऊनतावाचक प्रत्यय
- स्त्रीवाचक प्रत्यय

कर्तृवाचक तद्धित प्रत्यय
कर्ता का बोध कराने वाले तद्धित प्रत्यय कर्तृवाचक तद्धित प्रत्यय कहलाते है।

ध्यान देने योग्य तथ्य
जैसे – **सुनार** आभूषण बनाता है।
सुनार–सोना 'षब्द'+ 'आर' प्रत्यय, कर्ता कारक

विशेष तथ्य
किसी भी शब्द में सही प्रत्यय की पहचान करने हेतु सबसे पहले मूल शब्द को अलग कर लेना चाहिए तथा षेष बचने वाले अंश को प्रत्यय मान लेना चाहिए।

जैसे– उपर लिखे 'सुनार' षब्द से हमने समझा कि **सोने** के आभूषण बनाने वाले व्यक्ति को 'सुनार' कहा जाता है तो यहाँ 'सोना' मूल षब्द है व 'आर' प्रत्यय के जुड़ने से सुनार षब्द की रचना हुई है।)

आर	–	सुनार (सोना), लुहार (लोहा), कुम्हार (कुंभ + आर), गँवार (गाँव), कहार (कह), चमान (चाम), सुथार (सूथ (लकड़ी))।
ई	–	माली (माला), तेली (तेल), ऊनी (ऊन), सर्दी, हिंदी, सुखी, सफेदी।
वाला	–	गाड़ीवाला, टोपी वाला, इमली वाला, घर वाला, दूध वाला, फल वाला, मिठाई वाला, सब्जी वाला।
हारा	–	लकड़हारा (लकड़ी), पनिहारा (पानी), मनिहारा (मणि)।
ची	–	अफीमची, नकलची, खजानची, तोपची, बावरची, बगीची (बाग), तलबची, देगची।

भाववाचक तद्धित प्रत्यय
भाव का बोध कराने वाले सद्धित प्रत्यय भाववाचक तद्धित प्रत्यय कहलाते है।
अर्थात्–संज्ञा, सर्वनाम, विषेषण के अन्त में जुड़कर कर्तावाचक षब्दों का निर्माण करने वाले प्रत्यय भाववाचक तद्धित प्रत्ययक कहलाते हैं।
जैसे –

ता	–	सुंदरता, मानवता, दुर्बलता, आवष्यकता, मधुरता, महत्ता, लघुता, मित्रता (मित्र), दासता।
आहट	–	कड़वाहट, घबराहट, गुर्राहट, बिलबिलाहट, चिकनाहट, मर्माहट, मुस्कुराहट।
आपा	–	मोटापा, बुढ़ापा, बहनापा, रँडापा।
ई	–	गर्मी, सर्दी, गरीबी।
आई	–	पढ़ाई, लिखाई, लड़ाई, चढ़ाई, अच्छाई, चौड़ाई, ऊँचाई, बड़ाई, बुराई, चतुराई।
आवा	–	बुलावा, दिखावा, भुलावा, चढ़ावा

संबंध वाचक तद्धित प्रत्यय
संबंध का बोध कराने वाले तद्धित प्रत्यय संबंध वाचक तद्धित प्रत्यय कहलाता है।

इक –
नियम 1 –
यदि मूल षब्द के प्रथम वर्ण में कोई भी मात्रा नही है तो पहले उसमें 'आ' की मात्रा लगाते हैं अर्थात् 'अ' को 'आ' में परिवर्तित करते हैं फिर 'इक' प्रत्यय जोड़ते है।

धार्मिक	**धर्म + इक**	**साप्ताहिक**	**सप्ताह + इक**
वार्षिक	वर्ष + इक	लाक्षणिक	लक्षण + इक
प्राथमिक	प्रथम + इक	पारिवारिक	परिवार + इक
माध्यमिक	माध्यम + इक	मानसिक	मानस + इक
सामाजिक	समाज + इक	सांसारिक	संसार + इक
सामासिक	समास + इक	व्यवहारिक	व्यवहार + इक
सार्वनामिक	सर्वनाम + इक	व्यवसायिक	व्यवसाय + इक
मासिक	मास + इक	स्वाभाविक	स्वभाव + इक
षाब्दिक	षब्द + इक	षारीरिक	षरीर + इक
आक्षरिक	अक्षर + इक		

अपवाद–

धनिक	धन + इक
पथिक	पथ + इक
रसिक	रस + इक
तनिक	तन + इक
क्षणिक	क्षण + इक
श्रमिक	श्रम + इक

नियम 2

यदि मूल षब्द के प्रथम वर्ण में इ/ए की मात्राा/ई की मात्रा है तो पहले इसे 'ऐ' की मात्रा में परिवर्तित करते हैं फिर इक प्रत्यय जोड़ते है।

वैज्ञानिक	विज्ञान + इक	जैविक	जीव + इक
वैचारिक	विचार + इक	सैद्धांतिक	सिद्धांत + इक
वैवाहिक	विवाह + इक	नैतिक	नीति + इक
ऐतिहासिक	इतिहास + इक	दैविक	देव + इक
ऐच्छिक	इच्छा + इक	वैदिक	वेद + इक
ऐन्द्रजालिक	इन्द्रजाल + इक	दैहिक	देह + इक
दैनिक	दिन + इक	सैनिक	सेना + इक

अपवाद–

वैयक्तिक	व्यक्ति + इक

नियम 3

यदि मूल षब्द के प्रथम वर्ण में उ/ऊ/ओ की मात्रा है तो पहले इसे औ की मात्रा में परिवर्तन करते है फिर इक प्रत्यय जोड़ते है।

भौगोलिक	भूगोल + इक	मौखिक	मूख + इक
भौतिक	भूत + इक	मौलिक	मूल + इक
औद्योगिक	उद्योग + इक	बौद्धिक	बुद्धि + इक
औपचारिक	उपचार + इक	यौगिक	योग + इक
औपनिषदिक	उपनिषद् + इक	लौकिक	लोक + इक
पौराणिक	पुराण + इक		

आलु– कृपालु, श्रद्धालु, ईर्ष्यालु, दयालु

ईला – रंगीला, चमकीला, भड़कीला, खर्चीला, जहरीला, रंगीला, हठीला, गर्वीला, लजीला (लाज)

एरा – चचेरा, ममेरा, फुफेरा

तर – कठिनतर, समानतर, उच्चतर, निम्नतर, दृढ़तर, बृहत्तर

अयन – रामायण (राम + अयन), नारायण (नार + अयन)

गुणवाचक तद्धित प्रत्यय

गुण का बोध कराने वाले तद्धित प्रत्यय गुणवाचक तद्धित प्रत्यय कहलाते है।

वान – गुणवान, धनवान, बलवान, दयावान, रूपवान, भाग्यवान, भगवान (भज)।

मान – शक्तिमान, बुद्धिमान, षोभायमान, मूर्तिमान।

ईय – भारतीय, **रा**ष्ट्रीय, नाटकीय, मानवीय, शारदीय, स्थानीय, भवदीय (भवत् + ईय)

ई – क्रोधी, रोगी, भोगी, खुशी, जवानी, ज्ञानी।

स्थानवाचक तद्धित प्रत्यय

स्थान का बोध कराने वाले तद्धित प्रत्यय स्थानवाचक तद्धित प्रत्यय कहलाते है।

वाला – शहरवाला, गाँवा वाला, कस्बे वाला

इया – उदयपुरिया, जयपुरिया, मुंबइया

ई – राजस्थानी, रूसी, चीनी

ऊनतावाचक तद्धित प्रत्यय

लघुता का बोध कराने वाले तद्धित प्रत्यय ऊनतावाचक तद्धित प्रत्यय कहलाता है।

पहचान–किसी तद्धित प्रत्यय के जुड़ जाने पर यदि मूल षब्द बड़े आकार से छोटे आकार को प्रकट करने लगता है। तो वहाँ वह ऊनतावाचक तद्धित प्रत्यय माना जाता है।

नोट–यहाँ 'नर्तकी' षब्द अपवादित है जो (नर्तक + ई) से मिलकर बनता है।

इया – लुटिया (लोटा), लठिया (लाठी), खटिया (खाट), बिटिया (बेटी), चुटिया (चोटी), घटिया, डिब्बिया, बटिया

ई – प्याली, नाली, बाली, मण्डली, टोकरी, हथौड़ी, पहाड़ी, झण्डी, चिमटी

ड़ी – पंखुड़ी, आँतड़ी, पगड़ी, तगड़ी, चौकड़ी, चमड़ी, रबड़ी।

ओला – खटोला, संपोला, मँझोला, मझोला, फफोला, बतोला।

उआ – ललुआ (लालू), कलुआ (कालू), गेरूआ, बबुआ, मनुआ (मनु), कछुआ (कच्छप)

इका – पत्रिका (पत्र), लतिका

स्त्रीवाचक तद्धित प्रत्यय

स्त्रीलिंग का बोध कराने वाले तद्धित प्रत्यय स्त्रीवाचक तद्धित प्रत्यय कहलाते हैं।

आ – सुता, ऊजा, अनुजा, छात्रा, शिष्या

ई – देवी, बेटी, काकी, नानी, दादी, मामी, मोसी, साली।

आनी – सेठानी, नौकरानी, देवरानी, जेठानी, इंद्राणी, पंडितानी, मेमहतरानी, मर्दानी।

इनी – कमलिनी, नंदिनी, सरोजिनी, वाहिनी, भुजंगिनी, प्रणयिनी, यक्षिणी।

नी – मोरनी, षेरनी, चाँदनी, नटनी, नथनी, पत्नी, पैजनी

इन – मालिन, कुम्हारिन, जोगिन, बाघिन, सुनारिन, तेलिन, पड़ोसिन, जुलाहिन

आइन – पंडिताइन, ठकुराइन, मुंषियाइन, ललाइन (लाला)

ता –

नोट–स्त्रीवाचक तद्धित प्रत्यय में 'ता' को 'त्री' में बदलकर नए षब्दों की रचना की जाती है।

विक्रेता	**विक्रेता**	**कृषि**	कवयित्री
नेता	नेत्री	क्रेता	क्रेत्री
वक्ता	वक्त्री	स्रष्टा	स्रष्ट्री
अभिनेता	अभिनेत्री	द्रष्टा	द्रष्ट्री
श्रोता	श्रोत्री		

इका –

स्त्रीवाचक तद्धित प्रत्यय बनाने के लिए 'अक' प्रत्यय को 'इका' में बदला जाता है।
जैसे –

शिक्षक	शिक्षिका	नायक	नायिका
अध्यापक	अध्यापिका	धावक	धाविका
गायक	गायिका		

नोट–तद्धित प्रत्यय का एक अन्य रूप/भेद अपत्यवाचक भी माना जाता है।

अपत्यवाचक तद्धित प्रत्यय

तद्धित प्रत्यय के योग से बना हुआ कोई शब्द यदि मूल षब्द से उत्पन्न होने का अर्थ (संतान बोधक अर्थ) प्रकट करता है, तो वहाँ वह अपत्यवाचक तद्धित प्रत्यय माना जाता है।

शब्द	प्रत्यय	नया शब्द	अर्थयुक्त
रघु	अ	राघव	रघु की संतान पुल्लिंग
कुरू	अ	कौरव	कुरू की संतान पुल्लिंग
दनु	अ	दानव	दनु की संतान पुल्लिंग
पांडु	अ	पाण्डव	पांडु की संतान पुल्लिंग
मनु	अ	मानव	मनु की संतान पुल्लिंग
मनु	ई	मानवी	मनु की संतान स्त्रीलिंग
दनु	ई	दानवी	दनु की संतान स्त्रीलिंग
यदु	अ	यादव	यदु की संतान स्त्रीलिंग
सूर	अ	सौर	यदु की संतान स्त्रीलिंग
सिंधु	अ	सैधव	सिंधु की संतान
विष्णु	अ	वैष्णव	विष्णु से उत्पन्न
पुत्र	अ	पौत्र	पुत्र से उत्पन्न
षिव	अ	षैव	षिव से उत्पन्न
वासुदेव	अ	वासुदेव	वसुदेव से उत्पन्न
षक्ति	अ	षाक्त	षक्ति से उत्पन्न
दिति	य	दैत्य	दिति से उत्पन्न
अदिति	य	आदित्य	अतिति से उत्पन्न
कुन्ती	एय	कौन्तेय	कुन्ती से उत्पन्न
गंगा	एय	गांगेय	गंगा से उत्पन्न
मृकण्डा	एय	मार्कण्डेय	मृकण्डा से उत्पन्न
वृष्णि	एय	वार्ष्णेय	वृष्णि से उत्पन्न
द्रुपद	ई	द्रौपदी	द्रुपद से उत्पन्न
मिथिला	ई	मैथिली	मिथिला से उत्पन्न

गंधार	ई	गांधारी	गंधार में उत्पन्न
जनक	ई	जानकी	जनक से उत्पन्न
वल्मीक	इ	वाल्मीकी	वल्मीक से उत्पन्न
मरूत	इ	मारूति	मरूत से उत्पन्न
दषरथ	इ	दाषरथि	दषरथ से उत्पन्न
मनः	ज	मनोज	मन से/में उत्पन्न

प्रत्यय से संबंधित महत्वपूर्ण अन्य नियम

'य' प्रत्यय–पहचान

यदि किसी वाक्य के अन्त में 'य' लिखा हुआ हो एवं उस 'य' से ठीक पहले कोई आधा अक्षर भी लिखा हुआ हो तो वहाँ सदैव 'य' प्रत्यय मानना चाहिए। यहाँ इस प्रत्यय के सभी नियम काम करते हैं।

जैसे

साहित्य	सहित + य	धैर्य	धीर + य
मान्य	मन + य	सौजन्य	सुजन + स
काठिन्य	कठिन + य	दैव्य	दिति + य
माहात्म्य	महात्मा + य	औपम्य	अपना + य
सामान्य	समान + य	आदित्य	अदिति + य
दारिद्रय	दरिद्र + य	कोटिल्य	कुटिल + य
वात्सल्य	वत्सल + य	औचित्य	उचित + य
ऐश्वर्य	ईष्वर + य	चाणक्य	चणक + य
दैन्य	दीन + य	औढार्य	उदार + य
सौंदर्य	सुंदर + य	ऐक्य	एक + य
शौर्य	शूर + य	ऐश्वर्य	ईष्वर + य
शैथिल्य	शिथिल + य	स्वास्थ्य	स्वस्थ + य
सामीप्य	समीप + य	स्वातंत्र्य	स्वतंत्र + य

ईय/एय प्रत्यय की पहचान

यदि किसी षब्द के अन्त में 'य' लिखा हो परन्तु उनके ठीक पहले आधा अक्षर नही हो तो वहाँ 'य' से पहले लिखे हुए स्वर को षामिल करते हुए प्रत्यय मानना चाहिए।

जैसे–

आंजनेय	**अंजनि + एय**	**नाटकीय**	**नाटक + ईय**
कौन्तेय	**कुन्ती + एय**	**भारतीय**	**भारत + ईय**
गांगेय	**गंगा + एय**	**राष्ट्रीय**	राष्ट्र + ईय
राधेय	राधा + एय	भवदीय	भवत् + ईय
आत्रेय	अत्रि + एय	मानवीय	मानव + ईय

ध्यान दें–हमने उपर पढ़ा कि 'य' ये पहले आधा अक्षर नहीं आने पर 'य' से पहले लिखे स्वर के अनुसार प्रत्यय का निर्धारण करते हैं।

जैसे–आंजनेय षब्द में 'य' से पहले 'ए' स्वर का आगमन हुआ है अतः 'य' के साथ ए स्वर पहले लगेगा व अंजनि शब्द में 'एय' प्रत्यय उत्तर के रूप में प्राप्त होगा।

तव्य व अनीय प्रत्यय की पहचान

यदि किसी शब्द के अन्त में तव्य/टव्य लिखा हो तो वहाँ 'व्य' प्रत्यय न मानकर तव्य प्रत्यय होगा व षब्द के अन्त में नीय/णीय लिखा हो तो वहाँ अनीय प्रत्यय मानना चाहिए।

जैसे –

द्रष्टव्य	**दृष + तव्य**	**अभिनंदनीय**	**अभिनंदन + अनीय**
भवितव्य	**भावी + तव्य**	**दर्षनीय**	**दृष् + अनीम**
वक्तव्य	**वच् + तव्य**	**करणीय**	**कृ + अनीय**
गन्तव्य	**गम् + तव्य**	**पठनीय**	**पठ + अनीय**
ध्यातव्य	**ध्या + तव्य**	**भरणीय**	**भ् + अनीय**

अ प्रत्यय की पहचान

इस प्रकार के षब्दों में 'इक' प्रत्यय के सभी नियम काम करते हैं तथा अन्तिम उ के स्थान पर व हो जाता है फिर अ प्रत्यय जोड़ते है।

जैसे –

मानव	**मनु + अ**	**कौरव**	**कुरू + अ**
राघव	**रघु + अ**	**गौरव**	**गुरू + अ**
यादव	**यदु + अ**	**लाघव**	**लघु + अ**
पाण्डव	**पंडु + अ**	**माधव**	**मधु + ब**
दानव	**दनु + अ**		

अपवाद –

कौषल	**कुषल + अ**
पौरूष	पुरूष + अ

उर्दू के प्रत्यय–

उर्दू भाषा का हिन्दी के साथ लम्बे समय तक प्रचलन में रहने के कारण हिंदी भाषा के प्रत्यय भी प्रयोग में आने लगा है।

प्रत्यय	उदाहरण
इन्दा	परिंदा, बाषिंदा, शर्मिंदा
गी	सादगी, बानगी, ताजगी
गर	बाजीगर, कारीगर, सौदागर
दार	हवलदार, किरायेदार, जमींदार
बंद	नजरबंद, कमरबंद, दस्तबंद
ची	अफीमची, नकलची, तोपची
दान	खानदान, पीकदान, कूड़ादान
खोर	आदमखोर, चुगलखोर, रिश्वतखोर
कार	सलाहकार, जानकार, लेखाकार
गार	मददगार, चुगलखोर, रिश्वतखोर
ईन	रंगीन, शौकिन, नमकीन
नामा	सुलहनामा, बाबरनामा, जहाँगीरनामा
इयत	इंसानियत, आदमियत, खैरियत
बाज	चालबाज, धोखेबाज, नशेबाज
आना	दोस्ताना, सालाना, नजराना

मंद	जरूरतमंद, अक्लमंद, अहसानमंद
आबाद	औरंगाबाद, मोजगाबाद, सिकन्दराबाद
गीर	जहाँगीर, राहगीर, आलमगीर
गाह	ईदगाह, दरगाह, ख्वाबगाह
इष	ख्वाहिश, साजिश, फरमाइश

कुछ अन्य महत्वपूर्ण प्रत्यय

आ - आटा, घेरा, छापा, गुजारा
आई –गढाई, चराई, पढाई, रूलाई, लिखाई,लडाई
आन –उठान, पिसान, मिलान, लगान, मकान, खदान
आप - मिलाप, कलाप, अलाप, प्रलाप, विलाप, संथान
आव - उतराव, घुमाव, चलाव, चुनाव, बनाव
आस - निकास, हुलास, विकास, गिलास, विलास,प्यास
इया - बढिया, घटिया, मइया, भुइया, गइया, भइया
ई - चढाई, लडाई, बडाई, पढाई, लिखाई, हंसी,
औनी - कमौनी, लिखौनी, उठौनी, नचौनी, गवौनी
त - खपत, बचत, लागत, जपत, बनत, बिगडत, हंसत
ती - चढती, बढती, घटती, रटती, पटती, श्रीमती
न्ती - चढन्ती, बढन्ती, घटन्ती, उठन्ती, गिरन्ती,
न - उद्घाटन,पुरान, देन, मारन, मोहन, लगन, लेनदेन
नी - कटनी, मरनी, भरनी, लडनी, अनी, ठनी
र - ठोकर, जोकर, मकर, बेर, केर, नीर, क्षीर
वट - तरावट, लिखावट, सजावट, बनावट, केवट
हट - आहट, चिल्लाहट, घबराहट, बुलबुलाहट
अंकू - उंकू, अडंकू, पढाकू
अक - लेखक, पाठक, वाचक, नायक, सम्प्रदायक, सार्थक, दीपक, वाचक
अक्कड - पियक्कड, बुझक्कड, भुलक्कड, कुदक्कड
आ - चढा, रखा, कटा, भूंजा, फोडा, चला
आक - पैराक, तैराक, तडाक, उडाक
आकू - लडाकू, उडाकू, पढाकू, कूदाकू, हलाकू
इयल - अडियल, सडियल, मरियल, बढियल, दढियल
इया - जडिया, लखिया, धुनिया, नियरिया, दुनिया
ऊ - खाऊ, रट्टू, उतारू, चालू, बिगाडू, मारू, काटू
एरा - कमेरा, लुटेरा, झलेरा, पखेरा, हिलेरा
एया - कटैया, बचैया, परोसैया, भरैया
ऐत - लठैत, लडैत, चढैत, फिकैत
औडा - भगोडा, हँसोडा, मरोडा
वैया - खवैया, गवैया, देवैया, लेवैया
सार - मिलनसार, हिलनसार
हार - सेवनहार, खेवनहार, तारणहार, देवनहार,
हारा - सेवनहारा, खेवनहारा, तारणहारा, देवनहारा
ना - खाना, गाना, बोलना, रोना, पीना, सोना, आना, लेना, देना
नी - चटनी, सूँघनी, कहनी, छननी, ओढनी, घोटनी, पढनी, सुननी
आ - झूला, ठेला, फाँसा, झारा, पोता, घेरा
ई - रेती, फाँसी, गाँसी, चिमटी
ऊ - झाडू, माडू, काढू, सादू
न - झाडन, बेलन, जामन
ना - बेलना, कसना, ओढना, घोटना, रेतना, दलना
आवना - सुहावना, लुभावना, डरावना, हँसावना, रूलावना, गिरावना
ना - उडना, हँसना, सुहाना, रोना, लदना
नी - कहानी, सुननी, हँसनी, ओढनी, पहननी, जननी
वाँ - ढलवाँ, कटवाँ, पिटवाँ, चुनवाँ
क - बैठक, फाटक
ना - झिरना, रमना, पालना
आनी - कमानी, लुभानी, मिलानी
औना - खिलौना, बिछौना, उढौना
औनी - पहरौनी, ठहरौनी, मिथौनी, गवौनी, बुलौनी,
आवनी - छावनी, उठावनी, गिरावनी, बुलावनी, लुभावनी, मिलावनी, डोलवानी
इन - कमाइन, गन्धाइन, लियोइन, दियाइन
का - छिलका, किलका, चिलका
की - फिरकी, फुटकी, डुबकी, लुटकी
आ - जोडा, युवा, सर्राफा, बजाजा, बोझा
आइँद - कपडाइँद, सडाइँद, घिनोइँद, मघाइँद
आई - भलाई, बुराई, ढिठाई, चतुराई, पण्डिताई
आन - घमासान,ऊँचाई, निचान, लम्बान, चौडान, उडान,
आयत - बहुतायत, पंचायत, तिहायत, अपनायत
आवट - अमावट, महावट, गिरावट
आस - मिठास, खटास, निन्दास
आहट - कडुवाहट, चिकनाहट, गरमाहट, चिल्लाहट
औती - बपौती, बुढौती, छिनौती
त - चाहत, रंगत, मिल्लत
ती - कमती, बढती, घटती, चढती
पन - कालापन, लडकपन, बालपन, पागलपन,
पा - बुढापा, रंडापा, बहिनापा, मोटापा
स - आपस, धमस, तमस, रजस
इया - आढतिया, मखनिया, बखेडिया, मुखिया, रसोइया
एडी - भँगेडी, गँजेडी, नशेडी
एली - हथेली, भेली, तबेली
आऊ - अगाऊ, धराऊ, बटाऊ, पण्डिताऊ
ऐल - खपरैल, दुधैल, दन्तैल, तोन्दैल
ला - अगला, पिछला, मँझला, धुँधला, लाडला
वन्त - गुणवन्त, धनवन्त, दयावन्त, शीलवन्त
हरा - सुनहरा, रूपहरा
हा - हलवाहा, पनिहा, कविराहा
आ - झूला, ठेला, फाँसा, झारा, पोता, झोरा, घेरा
इया - खटिया, फुडिया, डबिया, गठरिया, बिटिया
ई - पहाडी, घाटी, ढोलकी, डोरी, टोकरी, रस्सी

की – कनकी, टिमकी
टा – रोगटा, कलूटा
टी – चोटी, बहूटी
डा – चमडा, बछडा, दुःखडा, सुखडा, टुकडा, लँगडा
डी – टँगडी, पलँगडी, पँखडी, लालडी
री – कोठरी, छतरी, बांसुरी, मोटरी, गठरी, कुमारी
ली – टिकली
वा – बछवा, बचवा, पुरवा
सा – लालसा, अच्छासा, उडतासा, एकासा, मरासा
आना – राजपुताना, हिन्दुआना, तेलंगाना, उडियाना
इया – मथुरिया, कलकतिया, सरवरिया, कनौजिया
डी- अगाडी, पिछाडी
आर – दुधार, गँवार
इक – कार्मिक, धार्मिक, तार्किक, कारूणिक,
ई – आरी, ऊनी, देशी
उआ – मछुआ, गरूआ, खारूआ, फगुआ, टहलुआ
ऊ – ढालू, घरू, बाजारू, फेटू, गरजू, झाँसू
आई – वाकई, खनाई, जोताई, रेताई, जिताई
आर – बिलार, छीनार, दुत्कार, सत्कार, व्यवहार
आरी – दुधारी, दुवारी, बिलारी, किनारी
इय – कमनीय, गमनीय, दमनीय
एरा – घनेरा, कमेरा, जनेरा
एल – फुलेल, नकेल, अकेल
एला – अकेला, दुकेला, बघेला, मुरैला, अधेला,
पेला, ठेला, मेला, रेला
ता – पाँयता, रायता
नी – चाँदनी, पैंजनी, नथनी
वान – भाग्यवान्, मूल्यवान, गुणवान
वाला – रखवाला, बलवाला, दिलवाला, रंगवाला,
घरवाला, ग्वाला, गानेवाला
ल – घायल, पायल, छागल, पागल
हट – आहट, बुलाहट, बौखलाहट